# DISCIPLESHIP TRAINING CENTRE

Acts Foundation, Potter's House Church ,3rd Lane, Madhuban, Sangvi Pune- 27 Ph.9850833779 ;contact@actsministry.in

बाइबल सर्वेक्षण / Bible Survey

अंक: 1 *Course-1* *July 2009* मुल्य:10 रू.

## संपादकीय

प्रिय पाठको,
प्रभू यीशु नासरी के नाम में इस पवित्र शास्त्र बाइबल के अध्ययन की श्रुंखला मे मै आपका स्वागत करता हुँ। इन दिनो प्रभू का पवित्र आत्मा मुझे बोझ दे रहा कि परमेश्वर के वचन को अधिक अच्छे तरह समझने के लिए मे इस पाठयकम की शुरूवात करू। इन दिनो प्रभू की वाणी बडे स्पष्ट रूप से मेरे पास आ रही है कि हम प्रभू के पवित्र आत्मा और वचन दोनो मे साथ–साथ आगे बढे। प्रभू चाहता है कि कलिसिया और हर एक विश्वासी परमेश्वर के वचन को समझने के लिए अपना कदम बढाए। अब शैतान परमेश्वर का वचन जो कि सत्य है उससे वंचित नही रख सकता। हमे परमेश्वर का वचन जो प्रभू की इच्छा को दर्शाता है जानने की आवश्यकता है। यदि हम किसी जगह नोकरी कर रहे है तो हमारे अधिकारीयोकी इच्छा को जानने की कोशिश करते है ताकि उन्हे संतुष्ट किया जा सके ठीक उसी तरह यदि हम मसीही है तो उस मसीही को जानना और उसे संतुष्ट करना आवश्यक है। और लिखा भी है मत्ती 4 अध्याय और लुका 4 मे जब शैतान ने यीशु की परीक्षा ली तब यीशु मसीह ने उसे जवाब दिया मनुष्य ना केवल रोटी से परन्तु परमेश्वर के मुख से निकलने वाले वचन से जीवित रहेगां यही नही बाकी सवालो के जवाब भी यीशु मसीह ने वचन के आधार पर ही दिए। एक सत्य मे आपको बताना चाहता हु कि शैतान यह हमारी दुवाओंसे अधिक परमेश्वर के वचन से घबराता हे क्योंकि वह यह जानता है परमेश्वर का वचन सत्य है। पाठयकम के पहली श्रुंखला मे मै आपको परमेश्वर के वचन की गंभीरता बताना चाहता हुँ।

एक बार एक मध्यम वर्गीय मनुष्य ने एक बंजर जमीन खरीदी उसे यकीन था कि वह उस जमीन पर कडी मेहनत के द्वारा फसल उगाएगा और न केवल अपने और परिवार की जीवीका चलाएगा परन्तु अपने हालात मे भी सुधार लाएगा और उसने उस बंजर जमीन पर मेहनत शुरू कर दी। कही दिन, हप्ते और महीनो की मेहनत के बाद कोई भी नतीजा नही निकला उस मनुष्य ने फिर कडी मेहनत की ताकी वह उचित परीणाम को देख सके लेकीन परीणाम वही रहा। अब उसकी हिम्मत ने उसका साथ छोड दिया। अब वह उस बंजर जमीन को खरीदने की वजह से पछताने लगा और वह यह सोचने लगा कि जमीन व्यर्थ मे ही उसने खरीदी। कुछ महीने बीत गए वह जमीन युही पडी रही। एक दिन इस व्यक्ति का एक मित्र शहर से उसे मिलने के लिए आया इस मनुष्य ने उसे अपनी आप बीती कहानी



राना नियम आरम्भ करता है और नया यम उसे पुरा करता है। पुराना नियम सीनै र्वत के चारो और हमे एकत्र करता है, वही या नियम हमे कलवरी की पहाडी मे एकत्र रता है। पुराने नियम का सम्बन्ध व्यवस्था है जो उसने मूसा के द्वारा दी वही नये यम का सम्बन्ध अनुग्रह से है जो उसने ीशु मसीह के द्वारा लाइ, यूहन्ना 1

इबल:

बाइबल यह पुस्तक 66 किताबो का ग्रह है। जिसमे से 39 किताबे हम पुराने यम मे पाते है, वही 27 किताबे नये नियम पाते है।

39 पुराना नियम
27 नया नियम
66 सम्पूर्ण बाइबल

इबल के लेखक:

बाइबल यह 40 लेखकों के द्वारा नखी गई है। जिनमे कई लेखक, जकुमार, कवी,, दर्शनिक, नबी, मछुवारे ौर कुछ शिक्षित मनुष्य थे। यह लेखक निया के तीन भिन्न–भिन्न उपखण्डो मे हते थे। यह उपखण्ड थे एशिया, युरोप ौर अफ्रिका। इसे लिखने के लिए 1600 र्ष लगे।

1500 वर्ष यीशु से पहले
100 वर्ष यीशु के बाद
1600 वर्ष बाईबल को लिखने

ा अवधि।

बसे खुबसुरत और आश्चर्यचकीत रनेवाली बात मैं इस अद्भुत किताब मे यह ाता हूँ की अधिकतर लेखक एक, दुसरे को जानते नही थे, वे अलग उपखण्डो या महाद्वीपो से थे। वे सभी अलग–अलग समयो मे पृथ्वी पर रहे और यह भी बात ध्यान मे रखने की आवश्यकता है की उस वक्त यातायात (Transportation) के कोई बडे अत्यआधुनिक साधन भी नही थे और न ही एक दुसरे को संपर्क करने की कोई सुविधाए थी इसके बावजुद यह सभी 40 लेखक उत्पति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक एक ही परमेश्वर की चर्चा करते है। एक ही परमेश्वर के बारे मे लिखते है और एक दुसरे से सहमत भी होते है। उनमे कोई भी दो राय (Confusion) हम नही पाते। मान लिजिए हम दस मित्र इकट्ठा हो जाए और यह सवाल एक दुसरे से पुछे की किकेट का कौनसा खिलाडी उन्हे पसंद है तो हर एक की अपनी–अपनी राय होगी। लेकीन बाइबल के लेखको मे हम यह नही पाते। क्यों इसकी क्या वजह रही होगी जवाब बहुत ही आसान है यह लेखक अपनी मर्जी से इन लेखो को नही लिख रहे थे। कोई था जो उन्हे मार्गदर्शन कर रहा था और वह और कोई नही "पवित्र आत्मा" था। जो उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक सभी लेखको को मार्गदर्शन कर रहा था, क्योंकि वही है जो आज, कल और युगानुयुग कभी न बदलनेवाला है। उसके विचार कभी नही बदलते। (इब्रानियो 13:8)

कमशः

शेष भाग अगले अंक में

कृपया इस अकं के विषय में अपने विचारों को लिख, भेजे हम अगले अंक में प्रकाशित करने की कोशिश करेंगे:

ताई और कहने लगा कि व्यर्थ ही उसने यह जमीन खरीदी है। यह मित्र हीरे जवाहरत का एक व्यापारी और जोहरी था। उसने कहा मित्र मुझे अपनी जमीन दीखाओ यह मनुष्य अपने मित्र को जमीन के पास ले गया अचानक उस मित्र की नजर एक विशिष्ट पत्थर पर पडी और वह उसे बडे ध्यान से देखने और परखने लगा और अचानक ही चिल्ला उठा और कहने लगा मित्र तुम्हारी मेहनत बेकार नहीं गई यह जमीन किमती पंत्थरो से भरी है जिनकी किमत हीरे जवाहरात के व्यापार मे लाखो करोडो मे है। दोस्तो मे यही बताना चाह रहा हु कि कई बार परमेश्वर के वचन अर्थात धर्मशास्त्र (बाइबल) को व्यर्थ की किताब हम समझते है लेकीन एक जोहरी ही उसका महत्व आपको बता सकता है। हिरे, जवाहरत, सोना, चांदी और रूपए, पैसोंसे हम संसार के सारे सुख चैन खरीद सकते है परन्तु ज्ञान नही। इस श्रुंखला के द्वारा मे आपकी पहचान बाइबल से करना चाहता हु। इसमे हम बाइबल सर्वेक्षण करनेवाले है जिसमे में आपका परिचय सम्पूर्ण बाइबल और उनकी किताबो से संक्षेप मे करना चाहुंगा। प्रभू आपको इस सत्य वचन को समझने और परखने की बुध्दी और ज्ञान प्रदान करे। आमीन

***Rev.Vinay Dube***
***Senior Pastor & Founder***
***of Acts Foundation***

Please pray for our Fire Camp 2009
from19th-22nd Oct &
also don't miss Special Praise & Worship Concert on
26th July'09 at 07:00p.m.lead by Rev.Rohit Bhosale.

## बाइबल परिचय:

बाइबल परमेश्वर का लिखित प्रकाशन है। जिसमे परमेश्वर ने अपनी इच्छा मनुष्य के लिए प्रकट की है। यह मनुष्य के कई मुलभुत प्रश्नो के उत्तर देती है। मसलन मनुष्य कौन है। कहॉ से आया है ?कहॉ जाएगा वगैरे। मनुष्य के हर सामान्य प्रश्नों का जवाब यह देती है।

## बाइबल शब्द का अर्थ:

" बाइबल" यह नाम यूनानी शब्द से आया है। कुछ लोगों की बाइबल के विषय मे गलत धारणांए है। मसलन कई लोग रात को सोते वक्त इसे अपनी तकीये के नीचे रखते है ताकि बुरे सपने न आए। कई लोग अपनी जेब मे और इसे हर जगह लेकर घुमते है, यदि कोई दुष्टात्माओ से पीडीत होगा तो उसके सर पर हम बाइबल धर देते है। दोस्तो मैं आपको यह बताना चाहता हु की इस तरह की डर से शैतान भागेगा नही लेकीन इसी बाइबल के वचनो को यदि हम पढेंगे, उसका अनुसरण करेंगे और उसमे दिये गये मनुष्य, दिये गये परमेश्वर के अधिकार और सामर्थ्य को यदि हम समझेंगे, और विश्वास करेंगे मत्ती 17: 20, 21:21 तो शैतान जरूर हमारे जीवन से डर भागेगा। इसकी वजह है बाइबल, इस शब्द का अर्थ है। मैने आपको बताया बाइबल यह शब्द मुल BIBLIOS यूनानी भाषा मे से आया जिसका शाब्दिक अर्थ है " पुस्तक"। तो शाब्दिक अर्थ से ये केवल एक मामुली किताब है लेकीन इसके वचनो को यदि पढे और विश्वास करे तो यह एक"अद्भुत" किताब बन जाती है।



## पुराना नियम और नया नियम:

आइयें कुछ और बाते हम बाईबल के विषय मे सिखेंगे। बाईबल के दो भाग हम पाते है। पुराना नियम और नया नियम जिसे हम अग्रेजी मे Old Testament & New Testament कहते है। "Testament" यह शब्द लॅटिन भाषा (Latin) से आया है। जिसका अर्थ है "A will" यानि "इच्छा" (या वसीयतनामा) अंग्रेजी भाषा मे ही इसे Covenant भी कहा गया है जिसका अर्थ बनता है एकरारनामा (Agreement) इन सभी बातो से हम यह अर्थ लगा सकते है कि बाइबल यह एक नियमो की किताब है जिसे हम पूराना नियम और नया नियम कह सकते है। जिस प्रकार से हम जब भारत मे रह रहे है हम अपनी मर्जी से नही जी सकते हमे भारतीय सरकार के नियमो का अनुसरण करना होगा। उदाहरण के तौर पर मान लिजिए आप सडक से किसी वाहन से गुजर रहे हो और रास्ते पर लाल बत्ती जल रही है तो आपको रूकना ही होगा अन्यथा आप दण्ड के पात्र होंगे ठीक इसी तरह मसीह जीवन मे हमे परमेश्वर के दिए गए नियमो पर ही चलना होगां। अन्यथा हम भी प्रभू की और से दण्ड के पात्र होंगे। प्रभू ने पुराने वक्त मे अपने नियमो को लोगों को दिया जिसे हम पुराना नियम कहते है और यीशु ने नये नियम हर उन लोगों को दिए जो यीशु मसीह पर विश्वास करते है।

इसी बाइबल को हम प्रभू की इच्छा भी कह सकते है जो उसने अलग–अलग समय पर अपने लोगों को दिया। यह एक एकरारनामा (Agreement) है जिस प्रकार से किसी घर को खरीदने के लिए दो लोगो की आवश्यकता होती है ठीक इसी तरह यह एकरारनामा दो लोगो के बीच हुआ, परमेष्वर और मनुष्य के बीच। परमेश्वर ने अपनी इच्छा बताई और मनुष्य ने अपनी स्वीकृती दी।

अब इस बात को हमे समझना होगा कि क्यों पुराने नियमो के बाद नया नियम आया। पुराने जमाने मे परमेश्वर ने अलग–अलग समयो पर अलग–अलग लोगो से बातचीत की उनमे से कुछ अब्राहम की तरह मित्र थे, कुछ नबी थे, कुछ याजक, परन्तु मलाकी की किताब अन्तिम नबी को दर्शाती है। उसके बाद करीबन 400 वर्ष प्रभू ने किसी भी लोगो से किसी भी तरह कोई बात नही की इसी दरम्यान पाप बहुत बढ चुका था इसके बावजुद परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया की उसने अपना एकलोता पुत्र दे दिया ताकी जो कोई उस पर विश्वास करे उसका नाश न होवे परन्तु वह अनंन्त जीवन पाए युहन्ना 3:16। इस प्रकार नया नियम अस्तित्व मे आया जिसमे हम यीशु मसीह को एक उध्दारकर्ता के रूप मे देखते है।

## बाइबल के विषय मे साधारण परन्तु महत्वपूर्ण जानकारीयॉ:

आइयें कुछ और बाईबल के विषय मे साधारण परन्तु महत्वपूर्ण जानकारीयॉ हम देखेंगे। पुराने नियम मे हम व्यसस्था(Law)की वाचा को है पाते है। वही नये नियमे मे हम अनुग्रह की वाचा को पाते है। पुराने नियम मे कई बार हम कोध से भरा रूप देखते है। वही नया नियम मे यीशु मसीह का अनुग्रह का और दया से भरे चेहरे को हम देखते है।